

ओ प्रभु मारुं शुवन

ओ प्रभु मारुं शुवन
तारुं दिव्य अर्घ्य बनी रडो.

राम तुं छे, रडीम तुं छे, कृषण तुं छे ईसा मसीड,
तुं परम परब्रह्म तत्व,
सार सर्वपुराण तुं ... ओ प्रभु.

रडेजे सदा विचार वाणी वर्तने अव डर घडी
अंतरे प्रतिबिंब तारुं,
दिव्य तेजेअण्डणो ... ओ प्रभु.

डे कृपाना सिंधु ते करुणा करीने कृमण कर्या
सर्वनी रुचि अे भाणी,
ते अेक रुचिअे कर्या.. ओ प्रभु

उरे सदा तव स्नेहमीनी मंजरी मडेकी रडो,
पूर्णा प्रामिनी सत्तरतामां
शेष शुवन आ वडो ... ओ प्रभु

भक्तिमित्र • bhaktimitra.in